२५३. मेहेरबा धन्यवाद

कोटी जनमकी मेरी तपस्या तूने सफल बनाई ।
इसी जनममे मौका देकर सेवा तूने कराई ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥धृ.॥

जन्म-मरण या सुख-दुख बंधन पाप-पुण्य सब मिथ्या है ।
मनोनाश नही जबतक होता मिटती नही समस्या ये ।
लेते हो अवतार मिटाने मायाकी चतुराई ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥१॥

मै गाता हूँ नाम तेरा प्रभु ये कोई उपकार नही ।
तेरा कार्य वो ऐसा कार्य है कोई भी कर सकता नही ।
तेराही उपकार है मुझपर कित होऊँ उतराई ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥२॥

जब जब तेरा नाम रटूँ मै ये तन हलका होता है ।
मनका बोझ उतर जाता है जीवन सुंदर लगता है ।
एक एक कर सारी समस्या तूनेही हटवायी ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥३॥

दुनियासे क्या लेना देना तेरा मेरा साथ रहे ।
नही शिकायत किससे मेरी तेरी कृपाकी धारा बहे ।
जब जब आवो धरतीपर प्रभू गाऊँ तेरी प्रभूताई ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥४॥

हर घटना हो जीवनमे जो मर्जी तेरी मानूँ मै ।
नही करुँ मै कोई कामना मेहेर मेहेर गाऊँ मै ।
मधुसूदनने सबकुछ त्यागा तुजसे की है सगाई ।
मेहेरबा धन्यवाद ॥५॥